रास डांडिया

चित्रकूट 30 सितम्बर। अश्विनी मास में शुक्ल पक्ष के प्रारंभिक नौ दिन तक जहां पूरा भारत मां आदि शक्ति की भक्ति में तन, मन, धन से डूबा रहा वहीं चित्रकूट में भी मां के भक्तों की कमी नहीं रही। पिछले सालों की तरह इस साल भी नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर शारदीय नवरात्र बडे ही धूमधाम से मनाया गया। यह 16वॉ दुर्गा महोत्सव था जो सद्गुरु मित्र मण्डल की ओर से श्रीमती ऊषा जैन के नेतृत्व में मनाया गया। श्री मती जैन ने बताया कि इस बार भी दुर्गा प्रतिमा के सामने संगीतमयी भक्ति से सुसज्जित रास डांडिया का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विकलांग विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 योगेश चन्द्र दुबे एवं ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 नरेश चन्द्र गौतम उपस्थित रहे एवं निर्णायक के रूप में गुजरात जामनगर से आये डा0 अमित एवं उनकी पत्नी तथा विकलांग विश्वविद्यालय की संचालिका गीता बहन रहीं। फाइनल में दिन 13 टीमों ने डांडिया नृत्य का प्रदर्शन कर हजारों लोगों का मन मोहा और वाहवाही लूटी। जिसमें 7 टीमें छोटे–छोटे बच्चों की थी जिसमें ज्योति टीम ने सबसे अच्छा प्रदर्शन कर पहला स्थान प्राप्त किया। मॉ दुर्गा टीम दूसरे स्थान पर एवं कृष्णा टीम तीसरे स्थान पर रही। इस शुभ अवसर पर चिकित्सालय के पुरुष एवं महिला चिकित्सकों के साथ चिकित्सालय के अन्य स्टाफ ने भी संगीतमयी भक्ति से ओतप्रोत होकर मां दुर्गा के सामने डांडिया नृत्य किया। रास डांडिया के निर्णायक प्रदर्शन में वैदेही टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजय प्राप्त की। छलिया टीम उपविजेता रही और मॉ अम्बे टीम तीसरे स्थान पर रही। निर्णायकों द्वारा कमशः तीनों टीमों को पुरष्कृत किया गया। निर्णायिका गीता बेन ने सभी कलाकारां एवं दर्शकों को सम्बाधित करते हुये कहा कि नौ दिनों से सभी गुजरात की पद्यति में नवरात्रि का पर्व मना रहे हैं। यहां के इस मनमोहक वातावरण को देखकर ऐसा लग रहा है कि जैसे गुजरात में ही यह कार्यकम हो रहा है। डांडिया नृत्य गुजरात का प्रसिद्व नृत्य है लेकिन अब यह पूरे भारत में मनाया जाता है जिस प्रकार गणपति महोत्सव महाराष्ट्र में मनाया जाता था लेकिन अब इसे पूरे भारत में मनाते हैं। नौ दिन चित्रकूट में गुजरात बसता है इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है। संस्था में देश के अलग – अलग राज्यों से आकर डाक्टर एवं स्टाफ कार्य कर रहा है इसके बावजूद डांडिया का नृत्य बखूबी प्रस्तुत किया है। मैं सदगुरु परिवार को इस कार्यकम के लिये धन्यवाद देती हूॅ। मुख्य अतिथि प्रो0 योगेशचन्द्र द्विवेदी एवं प्रो0 नरेशचन्द्र गौतम ने सभी को नवरात्र पर्व की बधाई दी एवं रास डांडिया के प्रतिभागियों को शुभकामनायें प्रेषित की। अपने अभिनंदन में श्रीमती जैन ने कहा कि मैं इस शभ अवसर पर पधारे सभी अतिथियों एवं दर्शकों की आभारी हूॅ। जिन्होने अपनी गरिमामयी उपस्थिति देकर कार्यकम को रमणीक एवं डांडिया नृत्य के कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।